Eklavya University
Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. – II YEAR)

Economics

Curriculum

(2023-2024)

अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : द्वितीय	सत्र : 2022–23

विषय : अर्थशास्त्र

1.	पाठ्यक्रम का कोड	**A2-ECON1T**
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समष्टि अर्थशास्त्र (प्रश्न पत्र 1)
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (मुख्य / गौण / वैकल्पिक / सामान्य / वैकल्पिक / व्यावसायिक / ......)	मुख्य – 1 (मेजर–1)
4.	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हों)	मुख्य विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी समष्टि अर्थशास्त्र में अतंर, समष्टि आर्थिक चर, राष्ट्रीय आय और प्रतिष्ठित एवं कींसवादी विचारधारा में उत्पादन और रोजगार के निर्धारण को समझने में सक्षम होंगे। वे अर्थव्यवस्था में उपभोग एवं निवेष की कार्यपद्धति को समझ सकेगे तथा आई एस – एल एम वक्र का निर्धारण कर उसके अर्थव्ययवस्था में उपयोग की व्याख्या कर सकेंगे। विद्यार्थी मुद्रास्फीति, अवस्फीति और व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतो की अवधारणा, माप और प्रभावों की व्याख्या करने में भी सक्षम होंगे।
6.	क्रेडिट मान	06
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30 + 70 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

Bal Nidhi Kr

11211

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या – टयूटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P: 03** घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1.	**समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा :** 1. समष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा, विषयवस्तु, महत्व एवं सीमाएं 2. समष्टि और व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर्संबंध 3. समष्टि आर्थिक चर–स्टॉक एवं प्रवाह 4. आय का चक्रीय प्रवाह 5. राष्ट्रीय आय की परिभाषा एवं विभिन्न अवधारणांए 6. राष्ट्रीय आय को मापने की विधियां 7. राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन 8. राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक कल्याण 9. राष्ट्रीय आय के आकलन में कठिनाईया 10. आय, ऋण और दान की प्राचीन भारतीय अवधारणा। (बाजार की विफलता और दान)– ऋग्वेद वेद, ऋचा–117– महाभारत का भीष्मपर्व (पुस्तक/खंड–VI)	18
	Concept of Macroeconomics: 1. Definition, Contents, Importance and Summary of Macroeconomics 2. Interrelated in Macro and Micro Economics 3. Contemporary Economic Variables - Stock and Flow 4. Circular flow of income 5. Definition of National Income and Different Concepts 6. Dinosaur methods of national income 7. Social recording of national income 8. National Income and Economic Welfare 9. Shortfall in summary of national income 10. Ancient Indian concept of income, debt and charity. (Market failure and charity) - Rigveda Veda, Richa-117 - Bhishmaparva of Mahabharata (Book/Volume-Top)	

11311

2.	**रोजगार का निर्धारण :** 1. रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत – से का बाजार नियम, मजदूरी कीमत नम्यता 2. कींस का रोजगार सिद्धांत– समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन, प्रभावपूर्ण मांग 3. विकासशील देशों में कींस के रोजगार सिद्धांत की व्यावहारिकता 4. उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम 5. उपभोग फलन – सीमांत उपभोग प्रवृत्ति, औसत उपभोग प्रवृत्ति, सीमांत बचत प्रवृत्ति, औसत बचत प्रवृत्ति 6. गुणक सिद्धांत 7. त्वरक सिद्धांत	18
	Determination of Employment: 1. Classical principle of employment – market rule of law, wage price elasticity 2. Keynesian theory of employment- aggregate demand function, aggregate supply function, effective demand 3. Applicability of Keynesian theory of employment in developing countries 4. Psychological law of consumption 5. Consumption Function - Marginal Propensity to Consume, Average Propensity to Consume, Marginal Propensity to Save, Average Propensity to Save 6. Multiplier principle 7. Accelerator Principle	
3.	**विनियोग :** 1. विनियोग – अर्थ, प्रकार एवं प्रेरणा 2. पूंजी की सीमांत क्षमता (MEC) 3. विनियोग की सीमांत क्षमता (MEI) 4. कींस का तरलता पसंदगी सिद्धांत 5. वास्तविक क्षेत्र में साम्य आई एस वक्र एवं मौद्रिक क्षेत्र में साम्य एल एम वक्र का निर्धारण – आई एस एल एम मॉडल 6. मौद्रिक नीति – अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता 7. राजकोषीय नीति– अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता	18

	Vinnige: 1. Appropriation – Meaning, Types and Motivation 2. Marginal Efficiency of Capital (DMB) 3. Marginal Efficiency of Investment (DUMP) 4. Liquidity Preference Theory of Keynes 5. Determination of equilibrium IS curve in real sector and equilibrium LM curve in monetary sector - ISLM model 6. Monetary Policy - Meaning, Instruments and Effectiveness 7. Fiscal Policy- Meaning, Instruments and Effectiveness	
4.	**मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति :** 1. मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीतिजनित मंदी (Stagflation) का अर्थ 2. मुद्रास्फीति के प्रकार एवं प्रभाव 3. मुद्रास्फीति के सिद्धांत– मागं प्रेरित स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति 4. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय 5. अवस्फीति के प्रभाव एवं नियंत्रित करने के उपाय 6. फिलिप्स वक्र 7. भारत में मुद्रास्फीति का मापन– थोक मूल्य सूचकांक (WPI), उपभोक्त मूल्य सूचकांक (CPI), जीडीपी डिफ्लेटर	18
	Inflation and Deflation: 1. Meaning of inflation, deflation, stagflation 2. Types and Effects of Inflation 3. Theories of Inflation – Demand Pull Inflation and Cost Pull Inflation 4. Measures to control inflation 5. Effects of deflation and measures to control it 6. Phillips curve 7. Measurement of Inflation in India - Wholesale Price Index (WPI), Consumer Price Index (CPI), GDP Deflator	
5.	**व्यापार चक्रः** 1. व्यापार चक्र का अर्थ व अवस्थाएं 2. मौद्रिक सिद्धांत 3. शुम्पीटर का नवप्रवर्तन सिद्धांत 4. कींस का सिद्धांत 5. काल्डोर का सिद्धांत	18

1151

	6. सैमूल्यसन का सिद्धांत 7. हिक्स का सिद्धांत 8. व्यापार चक्र को नियंत्रित करने के उपाय	
	Business Cycle: 1. Meaning and stages of business cycle 2. Monetary theory 3. Schumpeter's innovation theory 4. Keynesian theory 5. Kaldor's principle 6. Samuelson's theory 7. Hicks' theory 8. Measures to control business cycle	

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : समष्टि अर्थशास्त्र, स्टॉक, प्रवाह, राष्ट्रीय आय, आर्थिक कल्याण, समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन, प्रभावपूर्ण मांग, उपभोग फलन, गुणक, त्वरक, पूंजी की सीमांत क्षमता, विनियोग की सीमांत क्षमता, तरलता पसंदगी, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीति जनित मंदी, व्यापार चक्र

भाग्य स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. आहूजा एच.एल.– उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस.चन्द एण्ड कम्पनी लि., नई दिल्ली
2. झिंगन एम.एल.– समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
3. सेठी टी.टी.– समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
4. वैश्य एम.सी.– समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
5. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा– समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
6. के.पी. जैन माईक्रो अर्थशास्त्र (1986–87) नवयुग साहित्य सदन लोहामंडी आगरा।
7. गोयल डॉ. अनुपम समष्टि अर्थशास्त्र एवं मुद्रा बैंकिंग तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी पुस्तक प्रकाशन इंदौर।
8. मिश्रा एवं पुरी भारतीय अर्थव्यवस्था हिमाचल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
9. Shapiro E. - Macro Economic Analysis. Galgotia Publications, New Delhi

10. Jhingan M.L.- Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
11. Allen R.G.D.- Macro Economics Theory- A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
12. Schaum's Series- Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
13. Vaish M.C.- Macro Economic Theory, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi
14. Mithani D.M.- Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai
15. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge
16. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
17. Ganguli k (1896) Mahabharat, sabha Parv.
18. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
19. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia, Hindu, Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
20. Knagle, R. (1965) The Kautily's Arthsastra 1st Edition, part 1 to part III Motilala Banarsidas
21. Knapp, S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe, New York
22. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
23. Swami, S.(2012) "Hindutwa Principle of Economics development", the oxford handbook of Hindu Economy and Business, Chapter, 21 oxford University press

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक :

1- https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2- http://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomi+theory%domain%5B%5D+Social+Sciences
3- https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

11/11

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम : https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073		
भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ:		
अनुषंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ: अधिकतम अक: 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक: 30 विष्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक: 70		
आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण	कुल अंक: 30
आकलन: विष्वविद्यालयीन परीक्षा (UE): समय– 03.00 घंटे	अनुभाग(अ): वस्तुनिष्ठ प्रष्न अनुभाग(ब): लघु प्रष्न अनुभाग(स): दीर्घ उत्तरीय प्रष्न	कुल अंक: 70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

Nidhi

118/1

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : द्वितीय वर्ष	वर्ष : 2022–23

विषय : अर्थशास्त्र

1	पाठयक्रम का कोड	**A2-ECON2T**
2	पाठयक्रम का शीर्षक	मुद्रा बैकिंग एवं लोकवित्त (प्रष्न पत्र 2)
3	पाठयक्रम का प्रकार : (मुख्य / गौण / वैकल्पिक / सामान्य वैकल्पिक / व्यावसायिक / .....)	मुख्य–2 / गौण / वैकल्पिक (मेजर–2 / माइनर / इलेक्टिव)
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	मुख्य / गौण / वैकल्पिक विषय अर्थषास्त्र के साथ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियो में यह योग्यता होगी कि वे • मुद्रा के परिमाण सिद्धांत, मुद्रापूर्ति के निर्धारक तत्व, साख निर्माण की प्रक्रिया, साख नियंत्रण और व्यापारिक बैंकों एवं केंद्रीय बैंक के कार्यों की व्याख्या कर सकेंगे। • सरकार की भूमिका, सार्वजनिक वस्तुओं के लिए प्रावधान, कर के अनुकूलतम ढांचे एवं आर्थिक नीतियों के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे। • विकासशील देशों में सार्वजनिक व्यय, कराधान के प्रभावों और सार्वजनिक ऋण की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे।
6.	क्रेडिट मान	06
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 70+30 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

Delhi

11911

भाग ब – पाठयक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : L-T-P : 03 घंटे		
इकाई.	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	**मुद्रा :** 1. मुद्रा– परिभाषा, कार्य एवं वर्गीकरण 2. मुद्रा का महत्व 3. मुद्रा का मूल्य एवं मुद्रा का परिमाण सिद्धांत – नगद लेनदेन दृष्टिकोण, नगद शेष दृष्टिकोण एवं कीन्स का दृष्टिकोण 4. मिल्टन फ्रीडमैन का परिमाण सिद्धांत 5. मुद्रापूर्ति के मुख्य घटक, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा गुणक की अवधारणा, मुद्रा पूर्ति को प्रभावित करने वाले तत्व, प्लास्टिक मुद्रा	18
	Currency 1. Money – Definition, Functions and Classification 2. Importance of currency 3. Value of Money and Quantity Theory of Money - Cash Transaction Approach, Cash Balance Approach and Keynes Approach 4. Quantity theory of Milton Friedman 5. Main Components of Money Supply, High Powered Money, Concept of Money Multiplier, Factors Affecting Money Supply, Plastic Money	
2	**बैंकिंग :** 1. बैंक–परिभाषा एवं प्रकार 2. व्यापारिक बैंको के कार्य 3. व्यापारिक बैंको द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया 4. इंटरनेट बैंकिंग एवं खुदरा बैंकिग का परिचय 5. केंद्रीय बैंक का अर्थ एवं महत्व 6. केंद्रीय बैंक के कार्य 7. केंद्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रण – गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विधियां	18
	Banking: 1. Bank – Definition and Types 2. Functions of commercial banks	

11/10/11

	3. Credit creation process by commercial banks 4. Introduction to Internet Banking and Retail Banking 5. Meaning and Importance of Central Bank 6. Functions of Central Bank 7. Credit Control by the Central Bank – Qualitative and Quantitative Methods	
3	**लोक वित्त का परिचय :** 1. लोक वित्त – अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. लोक वित्त एवं निजी वित्त में अंतर 3. सार्वजनिक वस्तुएँ, निजी वस्तुएँ एवं उत्कृष्ट वस्तुएँ 4. बाजार की असफलता एवं राज्य की भूमिका 5. अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत 6. सार्वजनिक व्यय का अर्थ एवं वर्गीकरण 7. सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत – वैगनेर की परिकल्पना, पीकॉक एवं वाइजमैन की अवधारणा 8. बढ़ते सार्वजनिक व्यय के कारण एवं प्रभाव 9. भारत में सार्वजनिक व्यय 10. मूल्य और कर। शांति पर्व – पुस्तक XII महाभारत। 11. कौटिल्य के अनुसार सार्वजनिक वस्तुओं और करों की अवधारणा।	18
	Introduction to Public Finance: 1. Public Finance - Meaning, Nature and Scope 2. Difference between Public Finance and Private Finance 3. Public Goods, Private Goods and Superior Goods 4. Market failure and the role of the state 5. Principle of maximum social benefit 6. Meaning and Classification of Public Expenditure 7. Theories of Public Expenditure – Concept of Wagner, Concept of Peacock and Wiseman 8. Causes and Effects of Increasing Public Expenditure 9. Public Expenditure in India 10. Price and Taxes. Shanti Parva - Book Gpp Mahabharata. 11. Concept of public goods and taxes according to Kautilya.	
4	**सार्वजनिक आय :** 1. सार्वजनिक आय के स्त्रोत 2. कराधान– अर्थ, सिद्धांत और करों का वर्गीकरण 3. करापात, कराघात एवं कर विवर्तन	18

	4. वस्तु एवं सेवा कर (GST) का सामान्य परिचय 5. भारत में करदान क्षमता 6. करारोपण के प्रभाव 7. भारतीय कर ढांचे की विशेषताएं	
	Public Income: 1. Sources of public revenue 2. Taxation- Meaning, Principles and Classification of Taxes 3. Taxation, taxation and tax diversion 4. General Introduction to Goods and Services Tax (GST) 5. Taxation Efficiency in India 6. Effects of taxation 7. Features of Indian Tax Structure	
5	**सार्वजनिक ऋण एवं वित्तीय प्रशासन :** 1. सार्वजनिक ऋण – अर्थ, प्रकार एवं स्त्रोत 2. सार्वजनिक ऋण के प्रभाव 3. सार्वजनिक ऋण शोधन की विधियाँ 4. भारत में सार्वजनिक ऋण 5. घाटे की वित्त व्यवस्था 6. भारत में संघीय वित्त 7. नवीनतम वित्त आयोग की अनुशंसाए 8. केंद्र एवं राज्य के नवीन बजट 9. राज्य की आर्थिक नीतियों की समझ। पुस्तक।। का सभा पर्व।	18
	Public Debt and Financial Administration: 1. Public Debt - Meaning, Types and Sources 2. Effects of public debt 3. Methods of Public Debt Recovery 4. Public Debt in India 5. Deficit financing 6. Federal Finance in India 7. Latest Finance Commission Recommendations 8. New budget of center and state 9. Understanding of the economic policies of the state. Book... Assembly festival of	
सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : मुद्रा की परिभाषा, मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, नगद लेनदेन दृष्टिकोण, नगद शेष दृष्टिकोण, मुद्रा की पूर्ति, प्लास्टिक मुद्रा, साख निर्माण, इंटरनेट बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, साख नियंत्रण, रेपो रेट, सार्वजनिक वस्तुएं, मेरिट वस्तुएं, निजी वस्तुएं, अधिकतम सामाजिक लाभ,		

करों का वर्गीकरण, करापात, कराघात, कर विवर्तन, सार्वजनिक ऋण, वित्त आयोग।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें,संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. सेठ एम.एल.– मुद्रा एवं बैकिंग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
2. सेठी टी.टी. – मुद्रा बैकिंग एवं राजस्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
3. सिन्हा वी.सी.– मुद्रा बैकिंग एवं राजस्व, S.B.P.D. पब्लिकेशन, आगरा
4. गुप्ता के.एल.– मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
5. टी.एन. हजेला (2009) मनी एण्ड बैंकिंग थ्योरी विथ इंडियन बैंकिंग न्यू दिल्ली एने बुक्त प्रा. लि.।
6. Mithani D.M. - Money, Banking and Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai.
7. Vaish M.C. - Money Banking Trade and Public Finance, New Age International, New Delhi.
8. Singh A.K.- Finance Budget in India, Gyan Books, New Delhi.
9. Hajela T.N.- Money, Banking and Public Finance, ANE Books, New Delhi.
10. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
11. Ganguli k (1896) Mahabharata, Shanti Parv.
12. Ganguli k (1896) Mahabharata, Sabha Parv.
13. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
14. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia, Hindu, Buddhist and jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
15. Kangle, R (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition, part 1 to part III Motilal Banarsidas
16. Knapp, S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe, New York
17. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
18. Swami, S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business, Chapter, 21 oxford University Press.

डिजिटल प्लेटफार्म वेब लिंक :
https://epgp.inflibnet.ac.in.Home/ViewSubject?catid=1

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104076/
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104071

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ : अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE) अंक : 70		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण /	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE)		कुल अंक : 70
कोई टिप्पणी / सुझाव		